The John MacArthur Super Simple New Testament Reading Plan

This Bible reading plan is designed to help you gain a deep familiarity with the New Testament. Read through each section of Scripture 30 times. Then, move on to the next section and repeat. Tick the boxes to track your progress. For more details on this method visit <a href="https://github.com/github.gov/g

| PASSAGE | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|---------------------|------|---------------------------------------|---|---|---|---|---|---------------------------------------|---|----|----|---------------------------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---------------------------------------|----|----|----|-------------|----|
| 1 John | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| John 1-7 | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | · · · · | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| John 8-14 | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | , | | | | , | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| John 15-21 | | | | : | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | : |
| Philippians | | | | | | | | ; ; ; | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Matthew 1-7 | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | · · · · | | | | | | | | | | | | | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | ••••• | |
| Matthew 8-14 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | : | | | | | |
| Matthew 15-21 | | ; | | | | | | , | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| Matthew 22-28 | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | ; ; ; | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| Ephesians | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Luke 1 – 8 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | : |
| Luke 9 – 17 | | | | | | | | | | | | ; : | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | : |
| Luke 18 – 24 | | | | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Galatians; Philemon | | | | | | | | • | | | : | | | | | | | | | | | | | : | | | | | | |
| Acts 1 – 7 | | | | | | | | | | | | , | : | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| Acts 8 – 14 | | - - - | | | | | | ; ; ; ; | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| Acts 15-21 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Acts 22 – 28 | | | | | | | | • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | | : | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | • • • • • • | |
| Colossians; Jude | | | | : | | | | | | | | , | | | | | | | | | | | | | | | | | | : |

| PASSAGE | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |
|-----------------------|---|---|---|---|---|-------------|---|---|---|---------------------------------------|----|----|----|----|----|----|----|--------|---------------------------------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-------|----|
| Mark 1- 8 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Mark 9 – 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 and 2 Timothy | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Romans 1 – 8 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Romans 9 – 16 | | | | • | | | | | | , | | | | | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | |
| 1 and 2 Peter | | | | | | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1 Corinthians 1 – 8 | | | | | | | | | | ; ; | | | | | | | | | , | | | | | | | | | | | |
| 1 Corinthians 9 - 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | ••••• | |
| 1 and 2 Thess. | | | | : | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 Corinthians 1 – 7 | | | | | | | | | | ; ; ; | | | | | | | • | | * · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | |
| 2 Corinthians 8 – 13 | | | | : | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| James | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Hebrews 1 – 7 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Hebrews 8 – 13 | | | | • · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | * | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | |
| Titus; 2 John, 3 John | | | | : | | | | | | , | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Revelation 1- 8 | | | | · • • • | | | | | | | | | | | | | | (! | | | | | | | | | | | | |
| Revelation 9 – 15 | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | , , , | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Revelation 16 – 22 | | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |